

9-11-04
 20000-
 27.11.4
 20000-
 27.11.4

30/06/2004

SSR- 402042

9-11-04
 20000-
 27.11.4
 20000-
 27.11.4

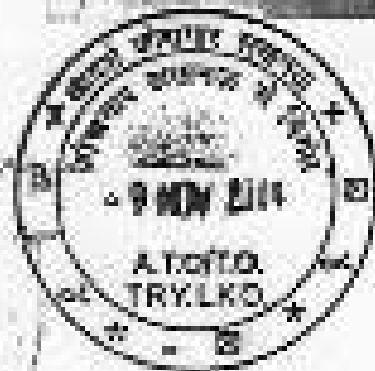
9-11-04
 20000-
 27.11.4
 20000-
 27.11.4

20.11.04

20.11.04
 20000-
 27.11.4
 20000-
 27.11.4

20.11.04
 20000-
 27.11.4
 20000-
 27.11.4





0300 3-15114

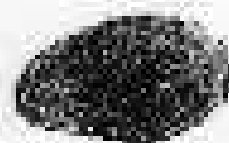
-2-

वर्तमान निवारी-254, चन्द्रलोक, अलीगंज, लखनऊ एवं स्थाई निवासी-शाम मिर्जापुर मिलाही, पोस्ट-नीगांव, जिला-फतेहपुर जिले आगे क्रेता कहा गया है, कि यथा निश्चित किया गया।

बढ़ कि विजेंता भूमि खसरा संख्या-16, 29, 35, 44, 45 कुल रकबा-0.566 हेक्टेअर, स्थित शाम यूसुफ नगर उर्फ बगियागऊ, परगना -झिजनीर, तहसील व जिला, लखनऊ, का मालिक, कर्मिल व कारबिल है तथा उपरोक्त सत्यापित वार्षिक खाता अलीगंज तहसील संख्या 146 के अनुसार भूमि विजेंता के नाम का अक्ल दरामद राजस्व अभिलेखों में हो गया है। विजेंता अपना



11.00 स. 11.3



...संख्या, ...

१-११-१९७१

...

...

...

...

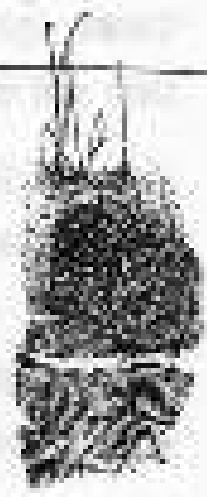
... की ...
...
...
...
...
...

...

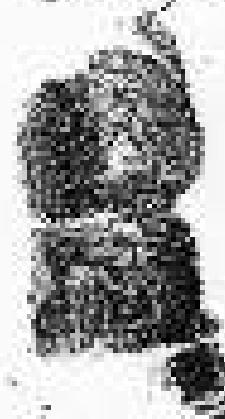
...

...

...



...



...

...

...



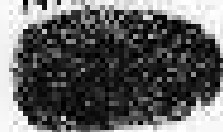
03CC 305505



- 3 -

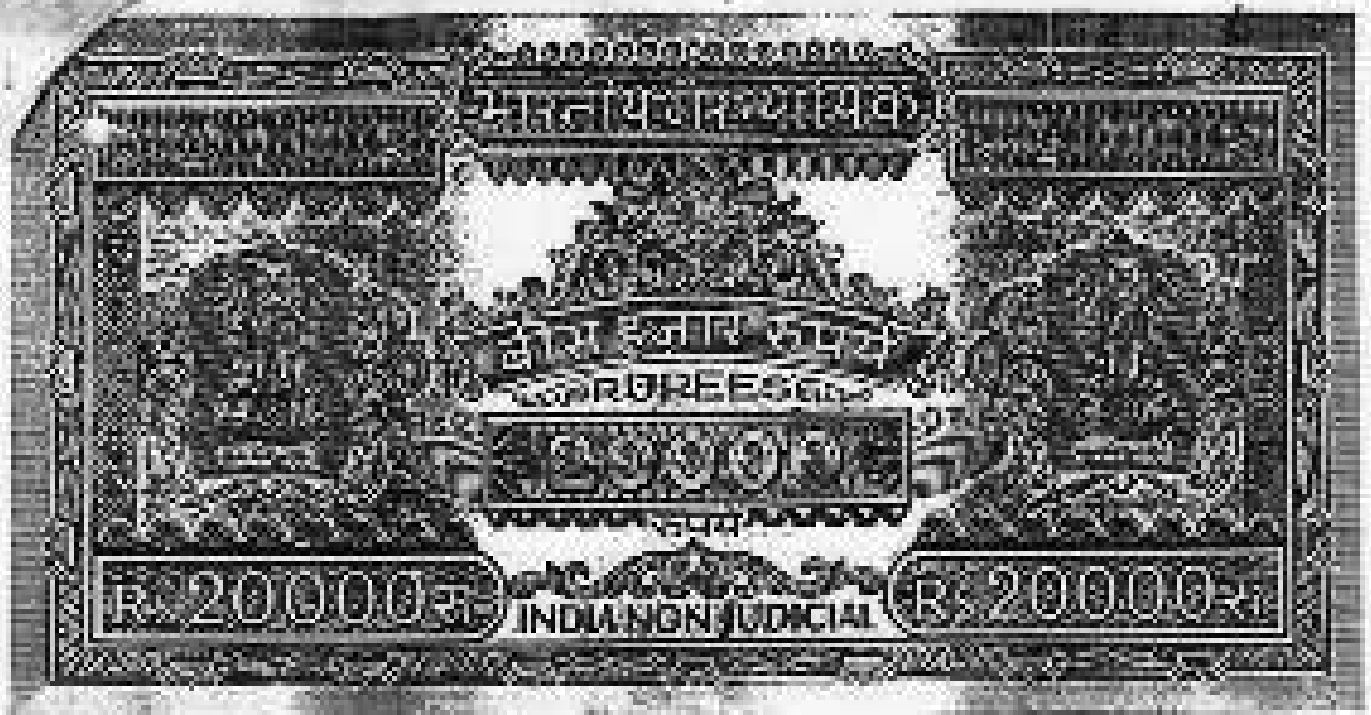
सम्पूर्ण जिल्ला जैला को इस न्याय विभाग द्वारा विजय कर रहा है विजय उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि के गालिक, कामिल न जाबिज है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि खूबि भूमि है, और यह कि विजय यह घोषित करता है कि उपरोक्त वर्गित भूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं पाक व लाफ है तथा विजय ने उसे इस विजय के पूर्व कहीं बच, हिजा, गिरवी या अनुवाचित हस्तादि नहीं किया है। उपरोक्त भूमि का उक्त कोई भाग किसी न्यायालय या सरकारी कार्रवाई में अलग विवाद का वस्तु विषय नहीं है, न ही युक्त हस्तादि है। विजय के अलावा उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व, छह या दावा हस्तादि नहीं है, एवं विजय को

न.सं. १-६१



११ जन २०११





HRCC 305506



- 4 -

उक्त विक्रय अन्तर्गत करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त सध्मति के फलस्वरूप रु० 10,62,648/- (दस लाख सासठ हजार छः सौ अड़तालिसह रुपया) के प्रतिफल में जिलाका कि उपरोक्त प्रेता द्वारा विक्रेता की इस विलेख के अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित विधि के अनुसार गुगतान कर दिया गया है एवं जिलाकी प्राप्ति को विक्रेता यहाँ स्वीकार करता है, तदनुसार उक्त विक्रेता उक्त प्रेता के हस्त उपरोक्त वर्णित भूमि, जिसका विवरण हस्त विक्रय विलेख के अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, को फलह बेच दिया है, एवं विक्रेता ने विक्रयशुदा भूमि का गीक पट कच्चा प्रेता को बखूबी करा दिया गया है। अब उक्त आराजी

प्रमाणित

1/10/19 24.01.19



0000 305507

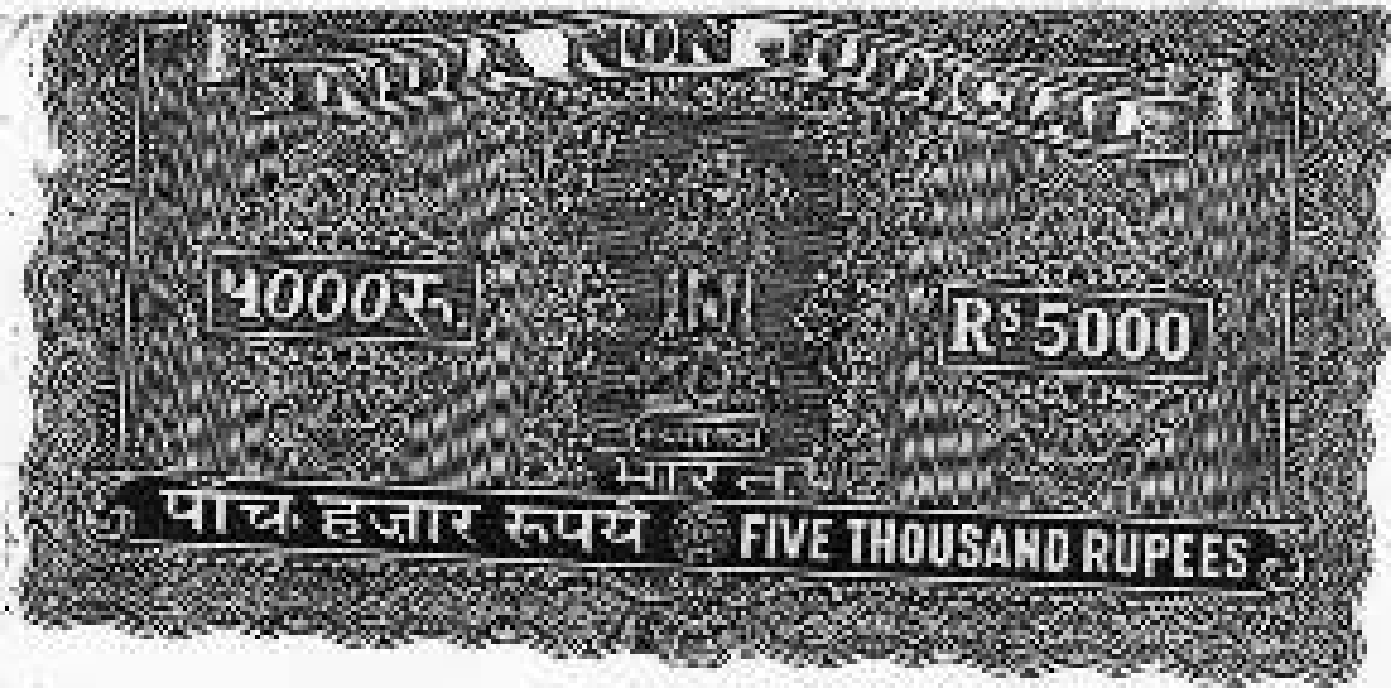


3

पर दिक्केता तथा उसको वारिसान का कोई अधिकार नहीं है।
 दिक्केता ने विक्रयशुदा सम्पत्ति को अपने स्वामित्व के समस्त
 अवस्थाओं के साथ पूर्णतया व हमेशा के लिए क्रेता को हस्तान्तरित
 कर दिया है। अब क्रेता विक्रयशुदा सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग
 को अपने एकाग्र स्वामित्व व अधिकार व कब्जे में सम्पत्ति के
 रूप में धारण एवं उपयोग व उपभोग करेगा। दिक्केता उसमें किसी
 प्रकार की अटचन याग नहीं डाल सकेगा एवं न ही कोई मांग कर
 सकेगा। और यदि विक्रयशुदा सम्पत्ति अथवा कोई भाग दिक्केता के
 स्वामित्व में त्रुटि के कारण या कानूनी अड़थक या कानूनी त्रुटि के
 कारण खेता या उसके वारिसान विवादग्रस्त हुआदि के कब्जे या

दिक्केता

1-1-1900 24/11/00



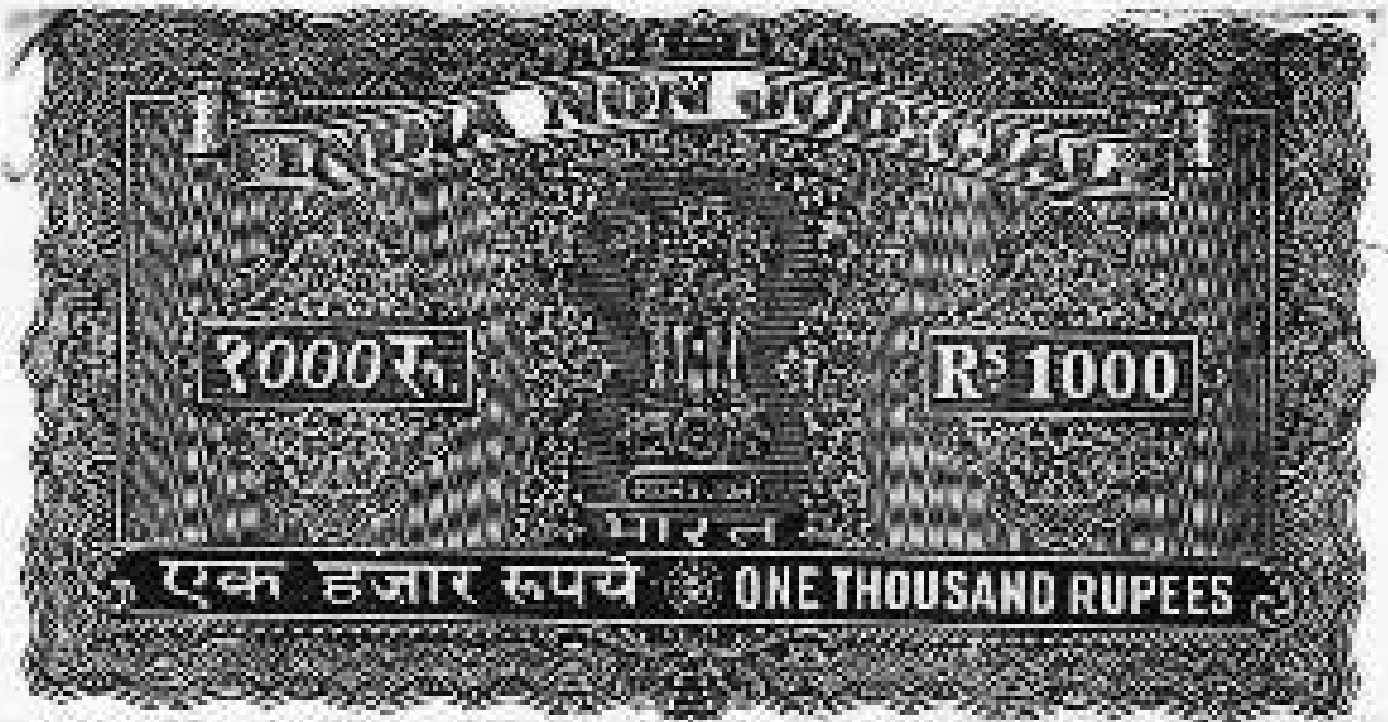
189586

अधिकतर वा तब तक से निकल जाये तो क्रेता उसके वास्तविक, निष्पादकगण इत्यादि को वह एक होगा कि वह अपना समस्त मुकदमा भय हर्जा व खर्चा, विक्रेता की बाल, अचल सम्पत्ति से अस्थिर अदालत वसूल कर ले। उस स्थिति में विक्रेता एवं उसके वास्तविक हर्जा व खर्चा देने हेतु बाध्य होगा।

यह कि क्रेता विक्रयशुद्ध सम्पत्ति की वास्तविक खारिज राज्य अभिलेखों में अपने नाम दर्ज करा ले तो विक्रेता को कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विक्रय मिलेख के पूर्व का अगर कोई बकाया किसी तरह का भार इस सम्पत्ति पर होगा तो

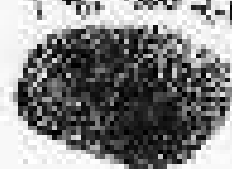
दि. १०-१२-८३

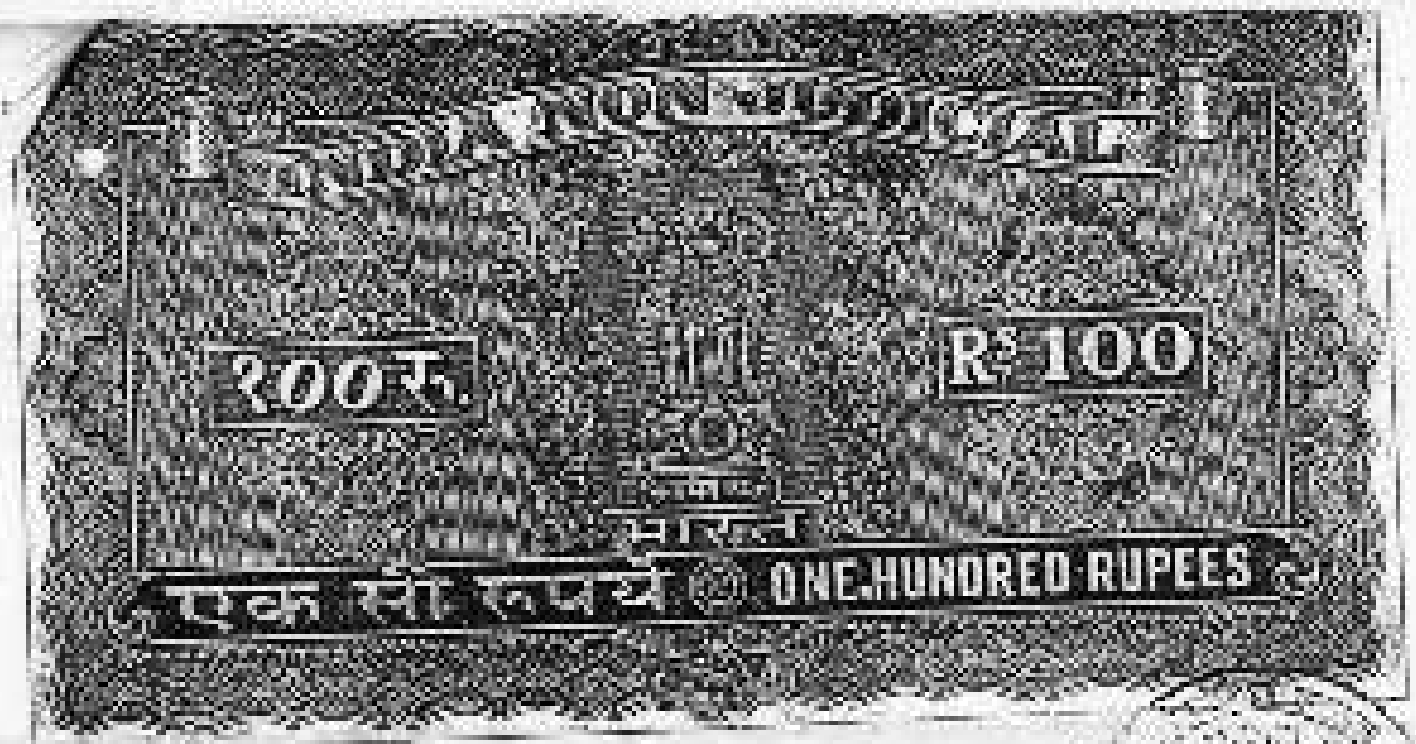
१०-१२-८३



उसको विक्रीला मुगलान व वहन करेगें, विक्रीला को कोई आपत्ति न होगी।

यह कि उपरोक्त खसरा नम्बर ग्राम वसुधा नगर उर्फ बगियामऊ, अर्धनगरीय क्षेत्र के सामान्य ग्राम के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित सरकिल रेट रु० १,००,०००/- प्रति हेक्टेयर के हिसाब से गिरीत भूमि ०.५६६ हेक्टेयर की गालिखत रु० ५,०९,४००/- होती है। चूँकि गिरव मुख्य, भूमि की बाजार मूल्य से अधिक है इसलिए नियमानुसार गिरव मूल्य पर ही रु० १,०६,३००/- जनरल स्टाम्प अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त गिरवीत भूमि कृषि के उपयोग के लिए प्रयुक्त की जा रही





है। इस भूमि में कोई कुआँ, तालाब, व निर्माण आदि नहीं है। तथा 200 मी० के अर्धव्यास में कोई निर्माण नहीं है विक्रीत भूमि किसी लिंक मार्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विक्रीत भूमि सुज्जानपुर रोड से लगभग दो किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विक्रेता व क्रेता दोनों अनुरक्षित जाति के सदस्य हैं। इस विकास विनियम के नियमन का समस्त कार्य जिला द्वारा गहन किया गया है।

242

Low Stress



- 9 -

परिशिष्ट : विवरण निम्नलिखित सम्पत्ति का विवरण

भूमि खसरा संख्या-16, 29, 35, 44, 45 कुल रकबा-0.
568 हेक्टर, स्थित ग्राम धुलुफ नगर उर्फ मणियामऊ, परगना
-मिर्जापुर, तहसील व जिला, लखनऊ, जिला की सीमा में निम्न है।

खसरा नं० 16 रकबा 0.067 हेक्टर

पूरुब : खसरा संख्या-77

पश्चिम : खसरा संख्या-15

उत्तर : खसरा संख्या-81, 82

दक्षिण : खसरा संख्या-17, 77



Handwritten signature or text.





- 10 -

खसरा न० 29 रकबा 0.051 हेक्टेअर

पूर्व	: खसरा संख्या-46
पश्चिम	: खसरा संख्या-46, 35
उत्तर	: खसरा संख्या-35
दक्षिण	: खसरा संख्या-46

खसरा न० 35 रकबा 0.253 हेक्टेअर

पूर्व	: खसरा संख्या-32
पश्चिम	: खसरा संख्या-37, 38
उत्तर	: खसरा संख्या-30, 34
दक्षिण	: खसरा संख्या-29, 30

3-6-78

1. 100 रु. 0

खसरा नं० 44 खण्ड 0.027 हेक्टेयर

पूर्व	: खसरा संख्या-45
पश्चिम	: खसरा संख्या-30
उत्तर	: खसरा संख्या-43
दक्षिण	: खसरा संख्या-46

खसरा नं० 45 खण्ड 0.178 हेक्टेयर

पूर्व	: खसरा संख्या-47
पश्चिम	: खसरा संख्या- 43, 44, 40
उत्तर	: खसरा संख्या-43
दक्षिण	: खसरा संख्या-46

परिशिष्ट : गुमलान विवरण

कुल विक्रय मूल्य विक्रेता को रु० 10,62,648/- मिल
लाए गए हैं। हजार रु. सी अड़तालिस सवाया) बीता से प्राप्त हुए
तथा जितनी प्रति विक्रेता स्वीकार करते हैं।

दि-२०/०५/२०२०

1. 10/05/2020

लिहाजा यह विज्ञापन पत्र हम मित्रों ने जैसा दे पाया है उसमें समझ गवाहान बिना किसी जोर दबाव के, वे स्वस्थ चित्त से मन की दशा में लिख दिया ताकि सनाद रहे और आवश्यकता पड़ने पर काम आये।

मराठी

दिनांक: 09.11.2004

2014

Dr. H. S. Swenson, Jr., St. Paul, Minn.
and New York, N. Y.

$$S_{\text{eff}} = \int d^4x \sqrt{-g} \left[\frac{1}{2} R - \frac{1}{2} (\partial_\mu \phi)^2 - V(\phi) \right]$$

Figure 1

1000

2.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

III

514.41

(रान सनेही)

महाविद्यालय

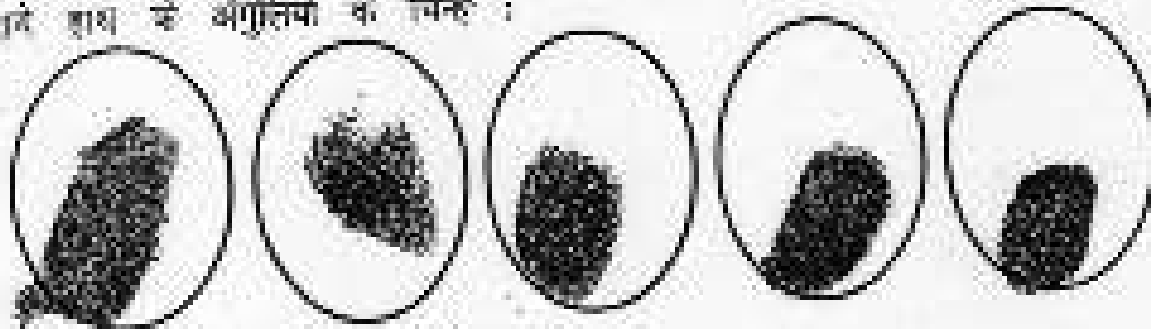

 निरंजन सिंह
 अध्यक्ष

पञ्चांग

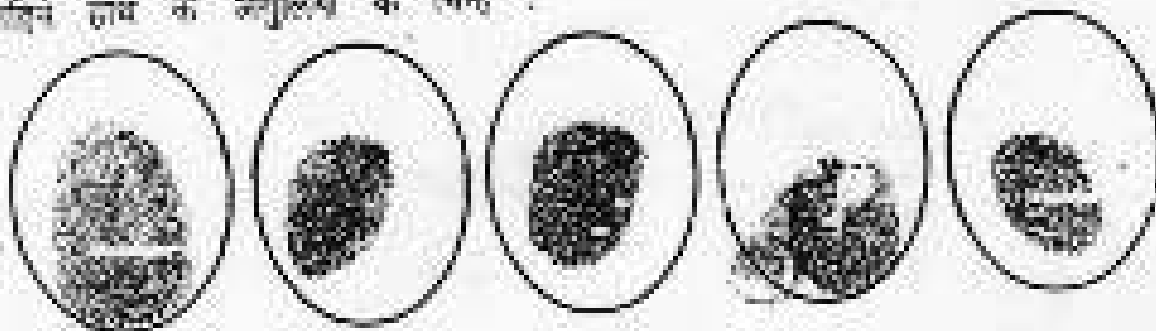


रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32ए के अनुपालन हेतु फिंगर्स प्रिन्ट्स

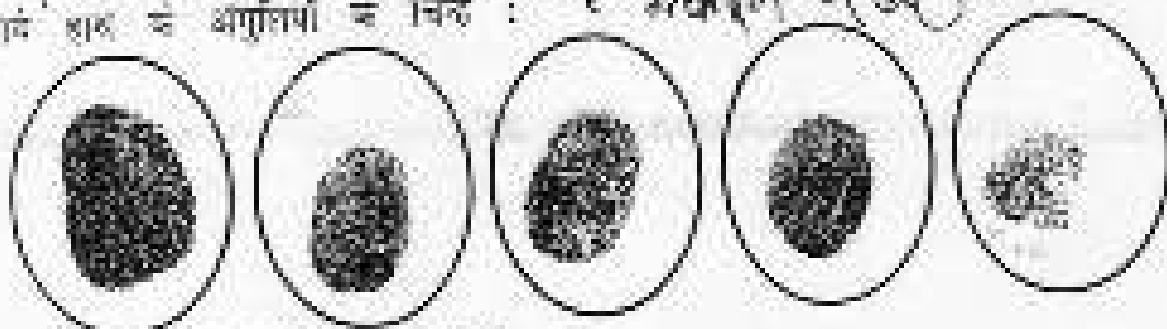
प्रस्तुतकर्ता/विशेषता का नाम व पता : महेश चंद्र गुप्ता
राज्य के अंगुलिओं के चिह्न :



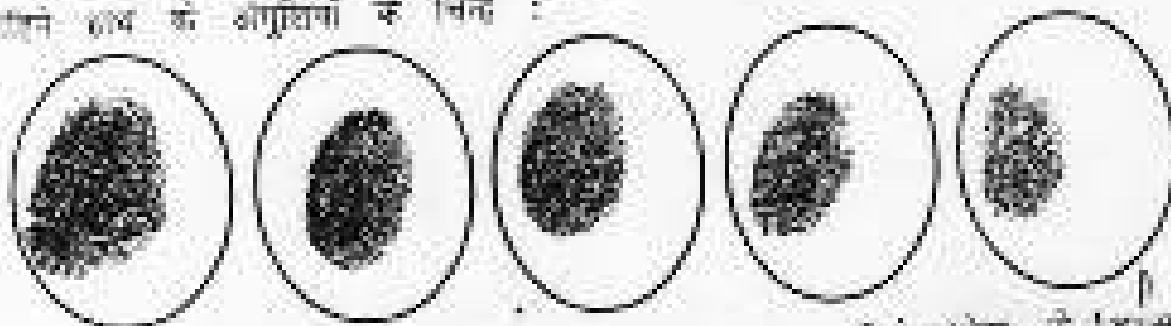
उत्पिने हाथ के अंगुलिओं के चिह्न :



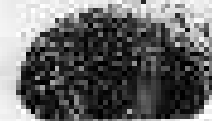
प्रस्तुतकर्ता/विशेषता का नाम व पता : महेश चंद्र गुप्ता
राज्य के अंगुलिओं के चिह्न :



उत्पिने हाथ के अंगुलिओं के चिह्न :



विशेषता के अंगुलिओं के चिह्न :



11

पत्रिका के अंतर्गत आने वाले सभी लेखकों को सूचित किया जाता है कि

पत्रिका के अंतर्गत आने वाले लेखकों को सूचित किया जाता है कि

पत्रिका के अंतर्गत आने वाले लेखकों को सूचित किया जाता है कि

पत्रिका के अंतर्गत आने वाले लेखकों को सूचित किया जाता है कि

पत्रिका के अंतर्गत आने वाले लेखकों को सूचित किया जाता है कि

पत्रिका के अंतर्गत आने वाले लेखकों को सूचित किया जाता है कि

पत्रिका के अंतर्गत आने वाले लेखकों को सूचित किया जाता है कि

पत्रिका के अंतर्गत आने वाले लेखकों को सूचित किया जाता है कि

पत्रिका के अंतर्गत आने वाले लेखकों को सूचित किया जाता है कि

पत्रिका के अंतर्गत आने वाले लेखकों को सूचित किया जाता है कि